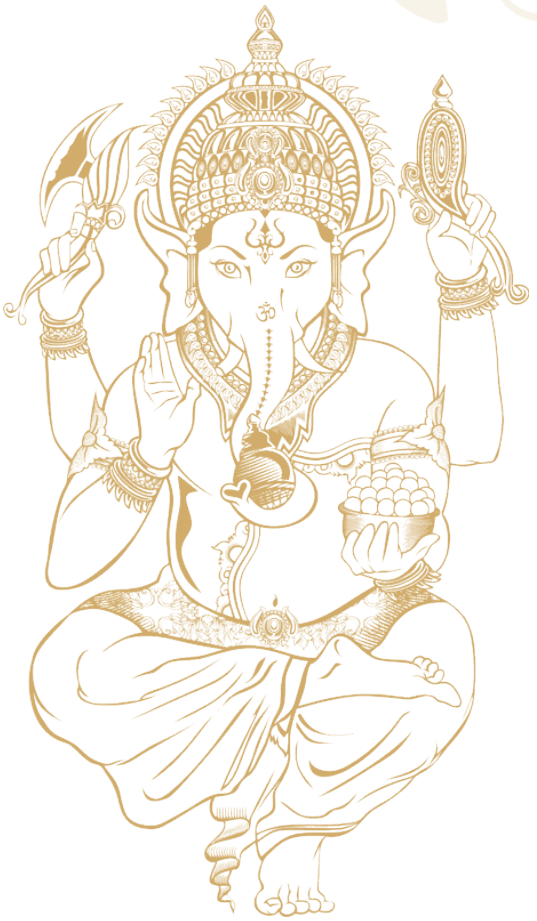

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120279602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/04/1995	जन्म तिथि	06/12/1997
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:00:00	जन्म समय	10:20:00 घंटे
घटी 17:47:05	जन्म समय(घटी)	08:49:17 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Jhansi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:09	सूर्योदय	06:48:17
18:38:39	सूर्यास्त	17:25:17
23:47:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 9वर्ष 3मा 5दि		17:23:01	कर्क	लग्न	मक	10:23:12	मंगल 0वर्ष 0मा 15दि	
शनि		02:03:32	मेष	सूर्य	वृश्चि	20:16:28	गुरु	
21/07/2020		13:08:12	तुला	चंद्र	कुंभ	06:35:14	22/12/2015	
22/07/2039		22:10:34	कर्क	मंगल	धनु	26:46:35	22/12/2031	
शनि	25/07/2023	04:03:25	मेष	बुध	धनु	09:21:18	गुरु	08/02/2018
बुध	03/04/2026	21:14:57	वृश्चि व	गुरु	मक	23:33:30	शनि	21/08/2020
केतु	13/05/2027	29:08:29	कुंभ	शुक्र	मक	02:43:55	बुध	27/11/2022
शुक्र	13/07/2030	26:04:10	कुंभ	शनि व	मीन	19:48:11	केतु	03/11/2023
सूर्य	25/06/2031	11:46:49	तुला	राहु व	सिंह	21:16:56	शुक्र	04/07/2026
चन्द्र	23/01/2033	11:46:49	मेष	केतु व	कुंभ	21:16:56	सूर्य	22/04/2027
मंगल	04/03/2034	06:31:45	मक	हर्ष	मक	12:03:08	चन्द्र	21/08/2028
राहु	08/01/2037	01:43:09	मक	नेप	मक	04:15:28	मंगल	28/07/2029
गुरु	22/07/2039	06:18:46	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:58:44	राहु	22/12/2031

लग्न-चलित

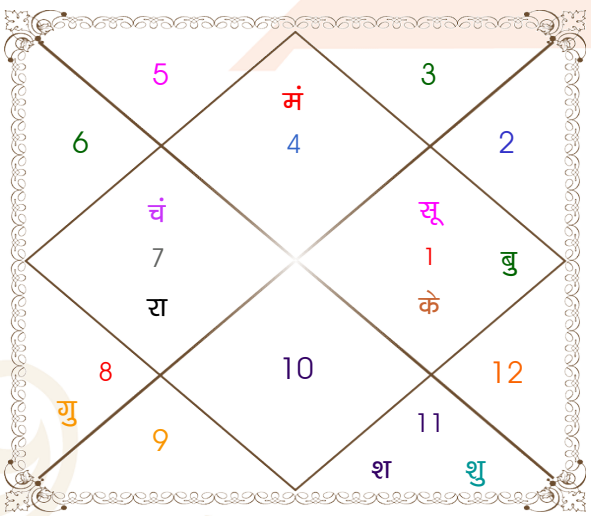

लग्न-चलित

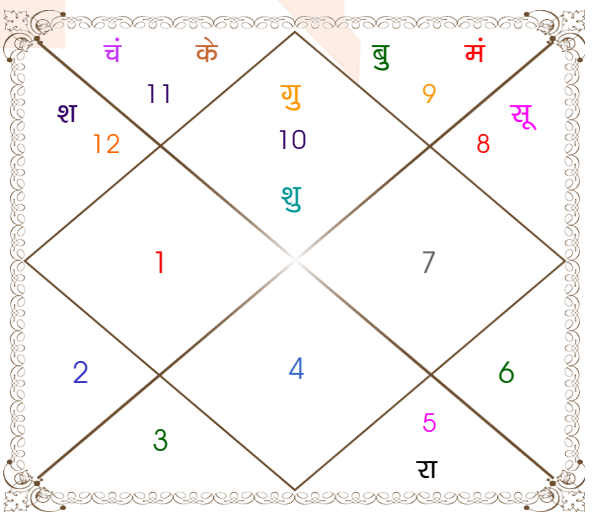

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।